पार्षदों की पलटी से कांग्रेस बैकफुट पर, संगठन की कलई खुली

अविश्वास से विश्वास तक का यू-टर्न, शहर अध्यक्ष की पकड़ पर सवाल, आप की भी फजीहत, कांग्रेस की बैठक में कोई खास चर्चा नहीं

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 6 जनवरी। नगर पालिक निगम सिंगरौली की राजनीति में एक बार फिर बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। कांग्रेस पार्टी के आधा दर्जन पार्षदों द्वारा ऐन वक्त पर पलटी मारने से न सिर्फ अविश्वास प्रस्ताव हवा हो गया, बल्कि कांग्रेस के साथ-साथ आप और बसपा की रणनीति भी बिखरती नजर आई। यह घटनाक्रम कांग्रेस संगठन को सीधे तौर पर बैकफुट पर धकेलने वाला माना जा रहा है।

दरअसल लगभग दो माह पूर्व कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और बसपा ने मिलकर ननि अध्यक्ष देवेश पांडेय के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए कलेक्टर कार्यालय में आवेदन दिया था। उस वक्त विपक्ष खुद को मजबूत स्थिति में बता रहा था और सत्ता परिवर्तन के दावे किए जा रहे थे। लेकिन राजनीति में कब कौन पलटी मार जाए, यह सिंगरौली की राजनीति ने एक बार फिर साबित कर दिया। अविश्वास प्रस्ताव से ठीक पहले आम आदमी पार्टी के तीन और कांग्रेस के छः पार्षदों ने कलेक्टर के समक्ष शपथ पत्र देकर प्रस्ताव से नाम वापस ले लिया। इस कदम के बाद विपक्षी एकता ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। नतीजा यह हुआ कि अविश्वास प्रस्ताव लाने की पूरी कवायद ही मजाक बनकर रह गई। अब सवाल सिर्फ प्रस्ताव का नहीं, बल्कि कांग्रेस संगठन की पकड़ और नेतृत्व की क्षमता पर खड़े हो रहे हैं।

राजनीतिक गलियारों में तीखी चर्चा है कि जब शहर अध्यक्ष आधा दर्जन पार्षदों को नहीं संभाल पाए, तो करीब दो लाख की आबादी वाले शहर में हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कैसे संभालेंगे। यही वजह है कि पार्टी की अंदरूनी कमजोरी अब खुलेआम लोगों के निशाने पर है। वहीं आज इसी पूरे घटनाक्रम के बाद कांग्रेस पार्टी की शहर स्तरीय बैठक पार्टी कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम को घेरने की रणनीति पर चर्चा की गई, लेकिन अंदरखाने पलटी मारने वाले पार्षदों को लेकर हल्की-फुल्की नाराजगी और तंज भी सुनने को मिले। हालांकि कोई ठोस कार्रवाई या सख्त निर्णय सामने नहीं आया, जिससे यह संदेश और गहरा हो गया कि संगठन अभी भी असमंजस में है।

राजनीति रूप से कांग्रेसी नेताओं को बड़ा झटका

वहीं दूसरी ओर आप की भी इस पूरे मामले में जमकर किरकिरी हो रही है। जिन पार्षदों के सहारे सत्ता परिवर्तन का सपना देखा जा रहा था, वही पार्षद वक्त आने पर किनारा कर गए। इससे यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या विपक्षी दल सिर्फ जोड़-तोड़ की राजनीति तक ही सीमित रह गए हैं। कुल मिलाकर आधा दर्जन पार्षदों की पलटी ने कांग्रेस को राजनीतिक रूप से बड़ा झटका दिया है। सिंगरौली की राजनीति में यह संदेश साफ चला गया है कि कांग्रेस का संगठन कमजोर है, नेतृत्व बिखरा हुआ है और पार्टी के भीतर अनुशासन नाम की चीज लगभग गायब है। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि कांग्रेस इस झटके से उबर पाती है या फिर ऐसे ही सियासी तमाशों का सिलसिला जारी रहेगा।

कांग्रेस के दो पार्षद पहले भी कर चुके हैं किनारा

यह पहला मौका नहीं है जब कांग्रेस को पार्षदों की इधर-उधर का सामना करना पड़ा हो। इससे पहले भी दो कांग्रेस पार्षद पार्टी छोड़कर आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर मेयर इन-काउंसिल के सदस्य बन चुके हैं। उस समय जिला अध्यक्ष तमाशबीन बने रहे और बाद में औपचारिक कार्रवाई कर खुद को बचाने का प्रयास किया गया। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि कांग्रेस का संगठन उस वक्त भी बिखरा हुआ दिखा और आज भी हालात कुछ अलग नहीं हैं। ताजा घटनाक्रम ने यह भी साबित कर दिया कि कांग्रेस पार्टी में अंतर्कलह और गुटबाजी चरम पर है। संगठनात्मक अनुशासन केवल कागजों और बैठकों तक सीमित रह गया है। पार्षद अपनी राजनीति और वार्डों के विकास के अनुसार फैसले ले रहे हैं, और नेतृत्व उन्हें रोकने में पूरी तरह नाकाम दिख रहा है।

जिला चिकित्सालय और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के कर्मचारी मजबूरी में

5 साल से नहीं बढ़ी मानदेय दर, महंगाई से आर्थिक संकट गहराया

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 6 जनवरी। जिला चिकित्सालय बैढ़न और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में रोगी कल्याण समिति के तहत तैनात एक्स-रे ऑपरेटर, कंप्यूटर ऑपरेटर, वार्ड आया, वार्डबॉय, सफाई कर्मचारी सहित दैनिक वेतनभोगी स्वास्थ्य कर्मी पिछले पाँच वर्षों से मानदेय में कोई बढ़ोतरी न होने से परेशान हैं।

कर्मचारी कलेक्टर रेट के तहत सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन लगातार महंगाई और बढ़ती दैनिक जरूरतों के बीच उनका वेतन नगण्य साबित हो रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि मौजूदा वेतन केवल 9,125 रुपये प्रति माह है, जिसमें पीएफ कटौती भी नहीं हो रही, जबकि ट्रामा सेंटर और जिले के अन्य अनुशासनिक केंद्रों में भी यही स्थिति बनी हुई है। स्वास्थ्य कर्मियों ने बार-बार मानदेय बढ़ाने की मांग की है, लेकिन सिविल सर्जन और सीएमएचओ की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया गया। जिले के ट्रामा सेंटर में ही ऐसे कर्मचारियों की संख्या लगभग दो दर्जन से अधिक है, जो 24 घंटे जनता की सेवा में लगे हुए हैं। स्वास्थ्य कर्मियों का कहना है कि महंगाई व परिवार की आवश्यकताओं को देखते हुए यह वेतन पर्याप्त नहीं है।

एक नजर में

बीमा पॉलिसी के नाम पर लाखों की ठगी का आरोप

सिंगरौली। जिले के थाना कोतवाली अंतर्गत पुलिस चौकी खुटार में एक महिला ने बीमा पॉलिसी के नाम पर धोखाधड़ी किए जाने का गंभीर आरोप लगाते हुए लिखित शिकायत दर्ज कराई है। आवेदन में बताया गया है कि बी अरविंद शाह नामक व्यक्ति द्वारा एलआईसी बीमा पॉलिसी दिलाने का झांसा देकर अलग-अलग किश्तों में लाखों रुपये लिए गए। पीड़िता के अनुसार आरोपी ने पहले पॉलिसी चालू कराने के नाम पर 2 लाख 70 हजार रुपये, इसके बाद अन्य दस्तावेज व लाभ का लालच देकर 2 लाख 40 हजार रुपये और फिर 2 लाख 10 हजार रुपये की राशि ले ली। कुल मिलाकर लगभग 7 लाख 20 हजार रुपये की ठगी किए जाने का आरोप है। जब पॉलिसी से संबंधित कागजात या लाभ की जानकारी मांगी गई तो आरोपी टालमटोल करने लगा और बाद में संपर्क भी बंद कर दिया। पीड़िता ने पुलिस से मांग की है कि आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर कड़ी कार्रवाई की जाए।

चोरी का अब तक नहीं हुआ खुलासा

सिंगरौली। थाना जियावन क्षेत्र के ग्राम सुपेला में चोरी की एक गंभीर घटना सामने आई है। पीड़ित उपेंद्र कुमार प्रजापति पिता फटेक प्रजापति ने कलेक्टर को आवेदन देकर बताया कि उनके मकान की सुरक्षा के लिए लगाए गए सीसीटीव्ही कैमरे, लोहे के एंगल और टिन शेड अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिए गए। पीड़ित के अनुसार सीसीटीव्ही कैमरे की कीमत लगभग 4400 रुपये थी, जबकि लोहे के एंगल व टिन शेड सहित कुल नुकसान करीब 65 हजार रुपये का है। घटना 18 दिसंबर 2025 की बताई गई है। पीड़ित ने प्रशासन से चोरी गए सामान का पता लगाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

किस्त दिलाने के नाम पर युवक से ठगी का आरोप

सिंगरौली। जिले में एक और ठगी का मामला सामने आया है, जहां एक युवक से आर्थिक सहायता व किस्त दिलाने के नाम पर हजारों रुपये की ठगी किए जाने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित विकास कुमार पनिका पिता रामलखन पनिका निवासी ग्राम पाली, पोस्ट पतेरी, थाना बंधौरा ने कलेक्टर को आवेदन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है। आवेदन में पीड़ित ने बताया कि कुछ लोगों ने सरकारी योजना के तहत आर्थिक सहायता व किस्त स्वीकृत कराने का झांसा देकर उससे अलग-अलग तारीखों में पैसे लिए जहां काफी समय बीत जाने के बाद भी न तो कोई किस्त मिली और न ही आरोपियों ने पैसे वापस किए। उसने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसे मामलों पर रोक लग सके।

बैक खाते में धोखाधड़ी होने पर तुरंत साइबर सिक्योरिटी टोल फ्री नम्बर पर कराएं अवगत

एलडीएम रंजीत कुमार ने ग्राहकों से की अपील

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 6 जनवरी। एलडीएम रंजीत कुमार के द्वारा बैंक खाता धारको को जगरूक करते हुये सायबर फ्रॉड के दौरान हुये नुकसान से बचाव के लिए अवगत कराया गया।

विगत वर्ष खाता धारक मैनामति गुसाख पत्नी शिव कुमार गुप्ता ग्राम कर्सुआलाल का खाता म.प्र. ग्रामीण बैंक शाखा कर्सुआलाल के ग्राहक है। जिसके खाते से 29 सितम्बर 2025, 1 अक्टूबर 2025 एवं 13 अक्टूबर 2025 को कुल राशि 39700 रूपये। एईपीएस के माध्यम से किसी अज्ञात व्यण्क्ति ने धोखाधड़ी कर आहरित कर लिया था। खाता धारक ने समय से बैंक, सायबर सिक्योसरिटी एवं स्थारनीय थाना में शिकायत दर्ज किया, जिसके फलस्वरूप सायबर सिक्योबरिटी व बैंक के सार्थक प्रयास से 2 दिसम्बर 2025 को उनके खाता में कुल राशि 39700 रूपये वापस आ गया। इसी बैंक की शाखा के एक और ग्राहक उदय चंद गुप्ता के खाते से भी राशी एईपीएस के माध्यम से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा धोखाधड़ी कर आहरित कर लिया था जो समय से बैंक, सायबर सिक्योरिटी एवं स्थातनीय थाना में शिकायत दर्ज किया। सायबर सिक्योयरिटी व बैंक के सार्थक प्रयास से इनका भी पैसा वापस आ गया है। उपरोक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है की इस प्रकार की कोई घटना होने पर सर्व प्रथम 1930 पर साइबर सेल को अवगत कराएँ तथा साथ ही थाने में एफआईआर कराकर आवेदन के साथ सम्बंधित शाखा में जमा कराएँ, जिससे आगे की कार्यवाही बैंक द्वारा की जा सके। कोई भी व्यक्ति इस प्रकार की धोखाधड़ी के शिकार होने पर सायबर सिक्योसरिटी व बैंक में समय पर शिकायत करने पर उनकी जमा राशि वापस आ सकती है। सायबर सिक्योरिटी टोल फ्री नम्बर 1930 पर शिकायत दर्ज कर नुकशान से बचा जा सकता है।

भारत पर्व के लिये नोडल अधिकारी सीईओ जिपं होंगे:- म.प्र. शासन संस्कृति विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल के आदेशानुसार 26 जनवरी 2025 को प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी लोकतंत्र का लोकोत्सव भारत पर्व का आयोजन किया जाना है। इस संबंध में कलेक्टर गौरव बैनल ने भारत पर्व के नोडल अधिकारी के रूप में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जगदीश गोमे को नियुक्त किया है।

भाजपा की हार का सच मनमानी में छिपा है, विपक्ष में नहीं

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 6 जनवरी। जिले में भारतीय जनता पार्टी की चुनावी हालत अब किसी एक चुनाव की कहानी नहीं रह गई है, बल्कि यह एक लगातार दोहराया जा रहा पैटर्न बन चुका है। जो पार्टी इस क्षेत्र को वर्षों से अपना गढ़ मानती रही, वही आज उसी गढ़ में बार-बार ठोकर खा रही है। सवाल यह नहीं है कि भाजपा क्यों हार रही है, सवाल यह है कि भाजपा हार से सीख क्यों नहीं ले रही।

वर्ष 2022 के ननि चुनाव इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। 45 वार्डों में से 23 पार्षद जीतने के बावजूद भाजपा-महापौर की कुर्सी तक नहीं पहुंच पाई और यह पद आम आदमी पार्टी के खाते में चला गया। यह हार किसी राजनीतिक चमत्कार का नतीजा नहीं थी, बल्कि भाजपा की अपनी रणनीतिक विफलता का परिणाम थी। जब संख्या बल साथ था, तब भी सत्ता हाथ से फिसल गई, यह अपने आप में गंभीर आत्मचिंतन की मांग करता है। उस समय पार्टी के भीतर ही यह बात खुलकर सामने आई कि महापौर पद के टिकट वितरण में जमीनी हकीकत और सामाजिक संतुलन को नजरअंदाज किया गया। अनारक्षित सीट पर प्रदेश स्तर से लिए गए एकतरफा फैसले ने उस वर्ग को नाराज कर दिया, जो लंबे समय से भाजपा का मजबूत आधार रहा है। राजनीति में नाराजगी जब वोट में बदलती है, तो परिणाम वही होता है जो सिंगरौली ने देखा। हार के बाद उम्मीद जगी थी कि अब पार्टी सबक लेगी। कहा गया कि संगठन को सुना जाएगा, कार्यकर्ताओं की राय को महत्व मिलेगा और टिकट वितरण में पारदर्शिता आएगी। लेकिन समय बीतते ही यह स्पष्ट हो गया कि यह आत्ममंथन केवल भाषणों तक सीमित था, व्यवहार में नहीं। वार्ड क्रमांक 34 का हालिया उपचुनाव इसी मानसिकता का अगला अध्याय बन गया। भाजपा के प्रभाव वाले क्षेत्र में भी पार्टी हार गई। यह हार इसलिए ज्यादा चौकाती है, क्योंकि सामने कोई असाधारण विपक्षी लहर नहीं थी। इसके बावजूद भाजपा अपने ही किले को बचा नहीं पाई। पार्टी के भीतर से उठ रही आवाजें अब दबे स्वर में नहीं हैं। कार्यकर्ता साफ कह रहे हैं कि टिकट वितरण में फिर वही मनमानी, फिर वही पीछे चलने वालों को आगे करने की नीति अपनाई गई। योग्य, स्वीकार्य और मेहनती चेहरों को नजरअंदाज कर ऐसे प्रत्याशी थोपे गए, जिनकी स्वीकार्यता सीमित थी। नतीजा वही निकला, जो अक्सर ऐसी राजनीति में निकलता है। सिंगरौली में भाजपा की स्थिति उस टीम जैसी होती जा रही है, जो हर हार के बाद अंपायर को दोष देती है, पिच को कोसती है, लेकिन अपनी रणनीति नहीं बदलती। लोकतंत्र में मतदाता को हल्के में लेना सबसे बड़ी भूल होती है और सिंगरौली का मतदाता यह संदेश बार-बार दे चुका है। अब भी समय है। अगर भाजपा नेतृत्व ने टिकट वितरण की संस्कृति, चाटुकारिता और जमीनी कार्यकर्ताओं की उपेक्षा पर लगाम नहीं लगाई, तो सिंगरौली में पार्टी का गढ़ केवल भाषणों में बचेगा, चुनावी नतीजों में नहीं। लोकतंत्र में चेतावनी शब्दों में नहीं, मतपत्र से दी जाती है और सिंगरौली यह काम लगातार कर रहा है।

प्रभु से बढ़कर और कोई सुख संपदा नहीं : डॉ. संजय कृष्ण

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 6 जनवरी। बैढ़न के रामलीला मैदान में श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह का आयोजन हो रहा है। श्रीधाम वृन्दावन से आये कथावाचक डॉ. संजय कृष्ण सलिल जी महाराज ने कथा के दूसरे दिन भक्तों को कथा के माध्यम से ठाकुर जी की भक्ति और जीवन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

प्रभु से बढ़कर कोई और सुख और सम्पदा नहीं, भागवत कथा श्रवण करने वालों का सदैव कल्याण होता है। व्यासपीठ पर विराजमान सलिल महाराज जी ने श्रीमद् भागवत महापुराण के द्वितीय दिवस कथा में अमर कथा और शुकदेव जी के जन्म का वृतांत का विस्तार से वर्णन किया गया। कथा की शुरुआत करते हुए कहा कि आप सब पर ठाकुर जी की कृपा है। जिसकी वजह से आप आज कथा का आनंद ले रहे हैं। श्रीमद भगवत कथा का रसपान कर पा रहें हैं, क्योंकि जिन्हें गोविन्द प्रदान करते हैं, जितना प्रदान करते हैं, उसे उतना ही मिलता है। कथा में यह भी बताया की अगर आप भागवत कथा सुनकर कुछ पाना चाहते हैं, कुछ सीखना चाहते हैं तो कथा में प्यासे बन कर आए, कुछ सीखने के उद्देश्य से, कुछ पाने के उद्देश्य से आएं, तो ये भागवत कथा जरूर आपको कुछ नहीं, बल्कि बहुत कुछ देगी। कथावाचक ने कहा कि भागवत कथा सुनने से मनुष्य के पापों का नाश हो जाता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। उन्होंने भक्तों को शुकदेव जन्मपरीक्षित जन्म सहित कृष्णभक्ति और जीवन के उद्देश्य के बारे में बताया।

बिजनेस एक्सीलेंस आंकलन का हुआ शुभारंभ

नवभारत न्यूज

विंध्यनगर 6 जनवरी। एनटीपीसी विंध्याचल में व्यवसायिक उत्कृष्टता का आंकलन 2024-25 का शुभारंभ मैत्री सभागार में भव्य उद्घाटन समारोह के साथ किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व संजीब कुमार साहा परियोजना प्रमुख ने किया। अपने संबोधन में संजीब कुमार साहा ने कहा कि भारत के ऊर्जा परिदृश्य में विंध्याचल की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए आंकलकों से प्राप्त सुझावों एवं मार्गदर्शन को प्रदर्शन, दक्षता एवं सततता को और सुदृढ़ करने में उपयोग करने पर बल दिया।

अवैध रेत परिवहन पर खनिज विभाग का शिकंजा, दो ट्रैक्टर जब्त

रात्रि जांच में दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, कार्रवाई जारी, अवैध रेत का परिवहन कर रहे थे दोनों वाहन

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 6 जनवरी। कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देशानुसार जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने के लिए खनिज विभाग द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में खनिज अधिकारी आकांक्षा पटेल के मार्गदर्शन में गठित टीम ने अवैध रेत परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त की है। सहायक खनिज अधिकारी रामसुशील चौरसिया

एवं खनिज निरीक्षक अशोक मिश्रा द्वारा गत दिवस की रात्रि को अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की जांच के दौरान एक बिना नंबर की ट्रैक्टर-ट्रॉली को रेत का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। उक्त वाहन को जप्त कर पुलिस थाना बरगवां में सुरक्षित रखा गया। इसी प्रकार बीते 5 जनवरी को खनिज निरीक्षक अशोक मिश्रा द्वारा पुनः जांच के दौरान रेत का अवैध परिवहन करते हुए एक अन्य ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा गया, जिसे पुलिस चौकी गोरबी में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया है। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि जप्त किए गए दोनों वाहनों के विरुद्ध खनिज नियमों के तहत अग्रिम विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। विभागीय अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि जिले में अवैध उत्खनन व परिवहन में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और ऐसी कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

बालिका सशक्तीकरण मिशन शीतकालीन सत्र का हुआ शुभारंभ

नवभारत न्यूज

शक्तिनगर 6 जनवरी। एनटीपीसी सिंगरौली-शक्तिनगर द्वारा अपनी सीएसआर पहल के अंतर्गत, विगत वर्षों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी बालिका सशक्तीकरण मिशन जेम के तहत साप्ताहिक शीतकालीन सत्र का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में बालिका सशक्तीकरण अभियान 2025-26 के शीतकालीन पुनश्चर्या कार्यशाला बैच का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि संदीप नायक परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक, विशिष्ट अतिथि प्रज्ञा

नायक अध्यक्षा रही।

इस अवसर को और भी उल्लासपूर्ण बनाते हुए सत्र के दौरान जन्मदिन मना रहीं प्रतिभागी बालिकाओं ने केक काटकर अपने आनंद और उत्साह को साझा किया। अपने प्रेरक संबोधन में संदीप नायक ने कहा कि एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा संचालित बालिका सशक्तीकरण मिशन ग्रामीण बालिकाओं के सर्वांगीर्ण व्यक्तित्व विकास की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और सराहनीय प्रयास है।

ग्रामीणों से करोड़ों की ठगी का आरोप

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 6 जनवरी। जिले के आदिवासी एवं पिछड़ा वर्ग के दर्जनों ग्रामीणों ने एक निजी फाइनेंस/कंपनी पर धोखाधड़ी कर लाखों-करोड़ों रुपये हड़पने का गंभीर आरोप लगाते हुए कलेक्टर को संयुक्त आवेदन सौंपा है।

आवेदन में ग्रामीणों ने बताया कि रोजगार, निवेश और अधिक मुनाफे का लालच देकर उनसे वर्षों से किस्तों व एकमुश्त रकम जमा कराई गई, लेकिन आज तक न तो पैसा वापस मिला और न ही कोई लाभ दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार वर्ष 2019 से संबंधित व्यक्ति/कंपनी द्वारा गांव-गांव जाकर भरोसा दिलाया गया कि जमा की गई राशि सुरक्षित है और तय समय पर दोगुनी होकर लौटेगी। इसी विश्वास में कई गरीब आदिवासी परिवारों ने अपनी जीवनभर की जमा पूंजी, शादी-विवाह और इलाज के लिए रखे पैसे तक जमा कर दिए। जब समय पूरा हुआ और ग्रामीणों ने अपना पैसा वापस मांगा तो उन्हें टालमटोल किया गया और अब संपर्क भी नहीं हो पा रहा है। अब पीड़ितों ने कलेक्टर से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए और ग्रामीणों की मेहनत की कमाई उन्हें वापस दिलाई जाए।

पुलिस ने गोरबी-बरगवां मार्ग को दुरुस्त कराकर राहगीरों को दी राहत

सड़क मार्ग में पानी बहने से खाईनूमा हो गये थे गड्ढे, गोरबी एनसीएल प्रबंधन था बेसुध, दो महीने से क्षतिग्रस्त थी सड़क

नवभारत इम्पैक्ट

नवभारत न्यूज

गोरबी 6 जनवरी। गोरबी मुख्य मार्ग पर लंबे समय से बने गहरे और जानलेवा गड्ढों को लेकर नवभारत में प्रकाशित खबर का असर आखिरकार दिखा। प्रशासन और एनसीएल प्रबंधन द्वारा जिम्मेदारी न निभाए जाने के बावजूद सिंगरौली पुलिस ने एक बार फिर जनहित में अग्रणी भूमिका निभाते हुए सिंगरौली-बरगवां मार्ग को दुरुस्त करवाया।

मोरवा को बरगवां से जोड़ने वाले इस अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग पर लगातार पानी बहने और भारी वाहनों की आवाजाही के कारण जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए थे। इन गड्ढों के चलते आए दिन दुपहिया वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त होकर घायल हो रहे थे, वहीं भारी कोल वाहनों के फंसने से मार्ग पर जाम की स्थिति भी बनी रहती थी। इस 25 किलोमीटर लंबे मार्ग को तय करने में राहगीरों को कई बार घंटों का समय लग जाता था। इस गंभीर समस्या को देखते हुए गोरबी चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक रुद्र प्रताप सिंह ने स्वयं पहल करते हुए स्थानीय संविदाकारों के सहयोग से परेवा नाला सहित गोरबी चौकी क्षेत्र अंतर्गत नोढ़िया एवं महदेईया गांवों में बने जानलेवा गड्ढों को भरवाया।

वाहन चालक व राहगीरों ने ली सांस

इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों कोल वाहनों सहित हजारों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं, जिनमें स्कूली बच्चों और मरीजों को ले जाने वाले वाहन भी शामिल रहते हैं। सड़क दुरुस्त होने से अब वाहन चालकों और राहगीरों ने राहत की सांस ली है। गोरबी पुलिस की इस सराहनीय पहल की ग्रामीणों, वाहन चालकों एवं जनप्रतिनिधियों ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की है। साथ ही उन्होंने मांग की है कि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो, इसके लिए सड़क का स्थायी नवीनीकरण कराया जाए। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और एनसीएल प्रबंधन से समय रहते अपनी जिम्मेदारी निभाने की भी अपील की है।